RRB ALP & TECHNICIAN 2024
&
झारखण्ड पुलिस भर्ती
Pilot Batch (CBT- 1&2)
सेवक बैच
ROJGAR With ANKIT
HISTORY
पाल वंश
व सेन वंश
LIVE 13-03-2024 09:00 AM

बंगाल का पाल वंश :-

संस्थापक :-

गोपाल :- 750-770 AD ⇒ बौद्ध धर्म का अनुयायी था।

⇒ तिब्बती लामा व प्रसिद्ध इतिहासकार तारानाथ के अनुसार गोपाल ने ओदंतपुरी में मठ का निर्माण करवाया।

⇒ बंगाल की आंतरिक अव्यवस्था को 'मत्स्य न्याय' कहा गया है।

धर्मपाल :- 770AD – 810AD ⇒ गोपाल का पुत्र

⇒ गुजराती कवि सोड्ढल ने उदय सुंदरी कथा में धर्मपाल को उत्तरापथ का स्वामी कहा था।

⇒ धर्मपाल को प्रतिहार शासक वत्सराज व राष्ट्रकूट शासक ध्रुव ने पराजित किया था।

IMP ⇒ विक्रमशिला विश्वविद्यालय की स्थापना राजा धर्मपाल ने की थी।

⇒ हरिभद्र नामक बौद्ध विद्वान धर्मपाल की सभा में रहते थे।

⇒ धर्मपाल लेखो में उसे 'परमसौगात' कहा गया है।

⇒ देवपाल (810-850 AD) :- धर्मपाल का पुत्र देवपाल, पाल वंश का सबसे प्रतापी राजा था।

उपाधि :- परमसौगात

राजधानी :- मुंगेर

⇒ देवपाल ने प्रतिहार शासक रामभद्र व मिहिरभोज को पराजित किया था।

⇒ अरब यात्री सुलेमान देवपाल के शासनकाल में भारत आया

प्रशस्ति लेख

देवपाल के उत्तराधिकारी :-

① विग्रहपाल

② नारायणपाल

③ राज्यपाल

④ गोपाल II

⑤ विग्रहपाल - II

⑥ मदनपाल (अन्तिम शासक)

बंगाल का सेन वंश :-

⇒ स्थापना :- सामंत सेन ने राढ़ नामक स्थल पर

विजयसेन :- (1095 – 1158 AD)

उपाधि :- परमेश्वर, परमभट्टारक, महाराजाधिराज

⇒ सेन वंश का प्रथम प्रतापी शासक था, जो सामंत सेन पुत्र था।

⇒ कवि धोयी द्वारा रचित देवपाड़ा प्रशस्ति लेख में विजयसेन की यशस्वी विजयों का उल्लेख किया गया।

⇒ विजयसेन ने नेपाल व मिथिला को पराजित किया था।

⇒ विजयसेन ने विजयीपुरी व विक्रमपुर की स्थापना की थी।

⇒ बल्लालसेन :- (1158–1178 AD)

उपाधि :- गौडेश्वर, निःशंक शंकर

⇒ बंगाल में जाति प्रथा व कुलीन प्रथा को संगठित करने का श्रेय जाता है।

⇒ दानसागर व अद्भुत सागर नामक ग्रंथ की रचना की।

⟶ पूरा करने का श्रेय लक्ष्मणसेन को जाता है।

⇒ लक्ष्मणसेन (1178-1205 AD) :-

⇒ सेन वंश का अन्तिम प्रतापी शासक जिसने सम्पूर्ण बंगाल पर अधिकार स्थापित किया

राजधानी :- लखनौती

⇒ लक्ष्मण सेन ने गहड़वाल शासक जयचंद को पराजित करके परमभागवत की उपाधि धारण की

(Imp)

⇒ गीतगोविंद व चन्द्रलोक के रचियता जयदेव व पवनदूत के रचियता धोयी लक्ष्मण सेन के दरबार में रहते थे

⇒ (1202) → बख्तियार खिलजी ने आक्रमण

⇒ बंगाल की गद्दी पर शासन करने वाला अन्तिम हिन्दु शासक लक्ष्मणसेन था।